सिटी पार्क में 20 रुपये प्रवेश शुल्क लागू करते ही घूमने वाले लोगों की संख्या घटी

हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन का दावा है कि गुरूवार को 5150 लोगों ने टिकट लेकर पार्क का भ्रमण किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसरोवर के सिटी पार्क में 20 रुपये का प्रवेश शुल्क शुरू होते ही यहां घूमने वाले लोगों की संख्या घट गई है। हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन का दावा है कि गुरूवार को 5150 से ज्यादा लोगों ने टिकट लेकर पार्क का भ्रमण किया। जबकि सूत्रों की मानें तो यहां पार्क बनने के बाद से अभी तक वर्किंग-डे में रोजाना 7-8 हजार तथा शनिवार-रविवार को 22 से 25 हजार लोग उमड़ते थे।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा का कहना है कि पार्क के रखरखाव के लिए 20 रुपये का न्यूनतम शुल्क रखा है। इससे पार्क में असामाजिक तत्वों के प्रवेश पर भी पाबंदी लगेगी। मंडल की सचिव अल्पा चौधरी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय पूनिया, आवासन अभियंता के.के. दीक्षित समेत अन्य अधिकारियों ने गुरुवार को विधिवत तरीके से टिकट व्यवस्था को प्रारंभ करवाया। पहले दिन जगह-जगह क्यूआर कोड लगाए गए थे

- ज्ञात रहे कि सिटी पार्क बनने के बाद से वर्किंग-डे में रोजाना 7-8 हजार तथा शनिवार-रविवार को 22 से 25 हजार लोग पहुंचते थे
- पार्क में सुबह 6 बजे से 9 तक शुल्क न लेने तथा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क रखने पर लोगों ने खुशी जताई
- अधिकारियों का कहना है कि जयपुर के किशनबाग में 50 रुपए, कुलिश स्मृति वन और जलधारा में 30-30 रुपये तथा रामनिवास बाग के सावन भादो में 20 का प्रवेश शुल्क पहले से ही लिया जा रहा है, ऐसे में सिटी पार्क में 20 रुपये का शुल्क ज्यादा नहीं है।

तथा कैश काउंटर पर ऑफलाइन पेमेंट के साथ ऑनलाइन की भी सुविधा दी गई थी।

उन्होंने बताया कि पार्क में सुबह आने वाले मॉर्निंग वॉकर्स ने प्रात: 6 बजे से 9 तक प्रवेश शुल्क ना लेने और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश पर खुशी जाहिर की। पार्क में पहुंचे 75 वर्षीय किशन पारवानी ने कहा कि कुछ लोग शाम को आना पसंद करते हैं। ऐसे में सालभर के लिए 999 का रियायती पास वॉकर्स के लिए किसी सौगात से कम नहीं है।

झुंझुनू से आए मोहित सुंडा ने कहा कि शहर के अन्य पार्कों मसलन किशन बाग में 50 रुपए, कुलिश स्मृति वन में 30, जलधारा में 30 में रामनिवास बाग स्थित सावन भादो में 20 का प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है। ऐसे में केवल 20 रुपए प्रवेश शुल्क किसी भी स्तर पर ज्यादा नहीं है। काबिले गौर है कि प्रदेश के अलावा देश के अन्य शहरों में स्थित मशहूर पार्कों में भी टिकटिंग की व्यवस्था काफी समय से संचालित हो रही है। पार्क में आए लोगों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड से पेमेंट को सराहा। परिसर में जगह-जगह क्यूआर कोड प्रदर्शित किए गए जिनसे आसानी से पेमेंट हो पा रहा था। आमजन गूगल प्ले स्टोर से सिटी पार्क जयपुर ऐप डाउनलोड कर आसानी से प्रवेश शुल्क का भुगतान कर रहे थे।

सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दी

सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप

- पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, मामले की जांच शुरू

जयपुर (कासं)। मानसरोवर इलाके में सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने ससुराल वालों के टॉर्चर से परेशान होकर सुसाइड कर लिया। विवाहिता अपने कमरे में रस्सी के फंदे से लटकी मिली। मौत से पहले उसने एक सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसे मानसरोवर थाना पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने एसएमएस हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर महिला का शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में मृतका ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मृतका शिवानी बढाणा (25) पुत्री नरेन्द्र कुमार बढाणा किरण पथ मानसरोवर की रहने वाली थी। 7 मार्च को होली पर वह अपने पीहर में थी। परिवारवाले होली की तैयारियों में जुटे थे। इस बीच, शाम करीब 4 बजे शिवानी ने अपने पीहर में ही कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। काफी समय बाद जब शिवानी कमरे से बाहर नहीं आई तो परिजनों ने उसे आवाज लगाई। जवाब नहीं मिला तो जाकर देखा कि कमरा अंदर से बंद था।

गेट खटखटाने के बाद भी शिवानी ने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर गेट तोड़कर देखा तो वह फंदे से लटकी हुई थी। आनन-फानन में परिजन उसे किरण पथ मानसरोवर स्थित एक निजी अस्पताल में लेकर गए, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पडौसियों ने बताया कि धुलंडी पर शिवानी ने अपनी सहेलियों के साथ होली खेली थी। हंसी-खुशी होली खेलने के बाद बाजार से पिज्जा मंगवाकर पार्टी की थी। दोपहर में उसके पिता की सुसरालवालों से बातचीत हो रही थी।

त्योहार होने के कारण उन्होंने अगले दिन आने को कहा था ताकि बैठकर बातचीत की जा सके। मोबाइल स्पीकर पर था और शिवानी ने भी उनकी बातें सुन लीं। इसके बाद शिवानी ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

मृतका के पिता नरेन्द्र कुमार बढाणा ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2021 में बेटी शिवानी की शादी मनोहरपुर (शाहपुरा) निवासी प्रसनजीत से हुई थी। प्रसनजीत भुवनेश्वर में सबइंस्पेक्टर के पद पर तैनात है। उन्होंने बताया कि बेटी की शादी में कार-कैश से लेकर भरपूर दहेज दिया था। फिर भी शादी के कुछ दिनों बाद से ही ससुरालवाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। दहेज के लिए शिवानी को बहुत टॉर्चर किया गया। होली से 2-3 दिन पहले ही शिवानी को उसका ससुर और जेठ बुखार की हालत में कपड़ों सहित घर के बाहर छोड़कर गए थे। दहेज के लिए मेंटल टॉर्चर से परेशान होकर ही शिवानी ने अपनी जान दे दी।

संक्षिप्त

ट्रोले की टक्कर से विद्युत पोल टूटा

जयपुर (कासं)। टोंक रोड पर गुरूवार को दुर्गापुरा एलिवेटेड रोड से कुछ मीटर पहले एक ट्रोला रफ्तार में बेकाबू हो गया। गोपालपुरा से सांगानेर की तरफ जा रहा ट्रोला डिवाइडर की रेलिंग को तोड़कर दूसरी तरफ की सड़क पर पहुंच गया। बेकाबू ट्रोले की टक्कर से डिवाइडर पर लगा विद्युत पोल टूटकर दुर्गापुरा से गोपालपुरा की तरफ आ रही एक लग्जरी कार पर जा गिरा। इससे कार के आगे व पीछे के कांच टूट गए। हादसे में कार सवार बाल-बाल बचे। घटना के बाद ट्रोला चालक मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक बस चालक की मदद से ट्रोल को एक तरफ करवाकर रास्ता सुचारू करवाया। पुलिस ट्रोला नंबर के आधार पर चालक को तलाश रही है। वहीं कार चालक रामचन्द्र ने बताया कि पलभर में ट्रोला डिवाइडर कूदकर सामने आ गया। उन्हें पता ही नहीं चला कि कब विद्युत पोल उनकी कार पर आकर गिर गया। इसी प्रकार बुधवार को भी सूरजपोल अनाज मंडी के सामने दिल्ली बाईपास पर बेकाबू ट्रोले की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसा इतना भयानक था कि ट्रक की टक्कर से महिला के शव के टुकड़े सड़क पर बिखर गए थे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर थाने में एक युवती ने खुद के साथ दुष्कर्म होने की एफ.आई.आर. दर्ज कराई है। युवती का आरोप है कि उसका दोस्त उसके साथ पिछले कई समय से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म कर रहा है। अब युवती ने उससे शादी की जिद की तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उससे शादी करने से इनकार कर दिया। इस युवती अपनी शिकायत लेकर वैशाली नगर थाने पहुंची और पुलिस को खुद के साथ दुष्कर्म होने की रिपोर्ट दी। वैशाली नगर पुलिस ने युवती की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि विकास नाम के युवक के साथ उसकी काफी समय से दोस्ती थी। विकास ने उसे आश्वस्त किया था कि वह उससे ही शादी करेगा, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी विकास ने जब शादी करनी से मना कर दिया तो युवती ने उसके खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज कराई है।

महिला सशक्तिकरण सप्ताह में कार्यक्रम

जयपुर । ईएसआई मॉडल चिकित्सालय में महिला सशक्तिकरण सप्ताह के अंतर्गत महिला दिवस का आयोजन किया गया। इसमें हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, एवं अन्य सभी महिला स्टाफ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. मीता सिंह, डॉ. पूर्वा एवं चारु विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में सभी को अवगत कराया गया। इस अवसर पर चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. आर पी मीणा ने सभी उपस्थित सदस्यों को महिला दिवस की बधाई देते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किये गये।

सिटी पार्क में प्रवेश-पार्किंग शुल्क वसूले जाने के विरोध में उतरे विधायक लाहोटी

सांगानेर विधायक ने मुख्यमंत्री गहलोत को पत्र लिखकर आपत्ति जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसरोवर के सिटी पार्क में आमजन से 20 रु. का प्रवेश शुल्क वसूलने के विरोध में सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी उतर आए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर इस पर आपत्ति जताई है। लाहोटी ने मांग उठाई है कि लोगों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं वसूला जाए और प्रवेश शुल्क के अलावा वाहनों की पार्किंग की नि:शुल्क व्यवस्था की जाए।

विधायक अशोक लाहोटी ने कहा कि हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन ने सिटी पार्क में प्रवेश के लिए आमजन पर प्रवेश-पार्किंग, फोटो खींचने के नाम पर कई प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष शुल्क थोप दिए हैं। सड़क, बिजली-पानी, सीवरेज की तरह ही पार्क भी लोगों की मूलभूत सुविधा है। स्टेच्यू सर्किल स्थित सेंट्रल पार्क में भी आमजन से कोई शुल्क नहीं वसूला जा रहा, फिर सिटी पार्क में ही क्यों?

लाहोटी ने कहा कि पार्क जनता की

विधायक अशोक लाहोटी

- 'पार्क में प्री-वैडिंग फोटोशूट के नाम पर हाऊसिंग बोर्ड द्वारा युवाओं से 10-10 हजार रु. वसूलना गलत'
- ''सड़क, बिजली-पानी व सीवरेज की तरह ही पार्क भी मूलभूत सुविधा है। स्टेच्यू सर्किल स्थित सेंट्रल पार्क में भी ऐसा कोई शुल्क नहीं, फिर मानसरोवर के सिटी पार्क में 3 महीने के भीतर ही यह लागू क्यों?''

सुविधा के लिए बनाए जाते हैं। साथ ही इनका निर्माण लॉन्गटर्म विजन के साथ किया जाता है। ऐसे में महज 3 महीने के भीतर ही आनन-फानन में पार्क से कमाई की योजना कैसे तैयार कर ली गई। हाऊसिंग बोर्ड ने प्री-वेडिंग फोटो शूट के नाम पर युवा जोड़ों से 10-10 हजार रुपए वसूलने का फैसला किया है, जो कि बिलकुल अनुचित है। यह युवाओं के साथ कुठाराघात है। अगर लोगों को सरकारी जगहों पर भी फोटोग्राफी का पैसा देना पड़ेगा तो फिर यह सवर्था अनुचित है। इसलिए राज्य सरकार इस तमाम मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय ले।

लाहोटी ने कहा कि मानसरोवर में सिटी पार्क बनाने पर हाऊसिंग बोर्ड ने 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस पार्क के कारण यहां जमीनों के भाव तीगुने-चौगुने हो गए है। हाल इस पार्क के बनने से आवासन मंडल की जमीनों के दाम बढ़े हैं। इससे हाऊसिंग बोर्ड को करोड़ों रुपए की अतिरिक्त कमाई होगी। अगर पार्क पर 100 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं तो इन जमीनां के बेचान से भी यह पैसा निकाला जा सकता है। साथ ही यह पैसा आसपास की कॉलोनियों के रखरखाव पर खर्च होना चाहिए।

लाहोटी ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय में द्रव्यवती नदी का कायाकल्प हुआ था। करीब 2 हजार करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में मात्र 150-200 करोड़ रुपए खर्च होना बाकी है, लेकिन कांग्रेस सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। अगर इसका काम पूरा हो जाए तो जनता को बदबू से निजात मिलेगी।

खनन एमनेस्टी योजना का लाभ 30 सितंबर तक

जयपुर । राज्य के माइंस विभाग की एमनेस्टी योजना की अवधि इस वर्ष 30 सितंबर तक बढा दी है। अब इस योजना का लाभ 31 मार्च 2022 तक के बकायादार खनन पट्टाधारियों, क्वारी लाइसेंस धारकों एवं रॉयल्टी ठेकेदारों को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने 2023-24 के बजट में माइंस विभाग की एमनेस्टी योजना को 30 सितंबर तक बढाने और 31 मार्च2022 तक के बकायादारों को योजना के दायरें में लाने की घोषणा की है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलिय डॉ.सुबोध अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने एमनेस्टी योजना का दायरा और अवधि बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए गए है। योजना में खनन पट्टों, क्वारी लाइसेंसों, बजरी के लिए जारी अस्थाई कार्यानुमति के डेडरेंट, अधिशुल्क, अधिक अधिशुल्क, शास्ति, आरसीसी, ईआरसीसी ठेकों की बकाया, परमिट, एसटीपी एवं निर्माण विभाग के ठेकेदारों की बकाया व अन्य विभागीय बकाया के अब 31 मार्च 2022 तक के प्रकरणों पर लागू कर दी गई है। इससे बकाया राजस्व की वसूली में तेजी आई है। साथ ही वसूली प्रयासों में लगने वाले अनावश्यक समय-धन की बचत होगी।

सार-समाचार

विजय कुमार को सी.बी.आई.पी. अवार्ड

जयपुर । राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के जवाहर सागर विद्युत गृह के अधिशाषी अभियन्ता विजय कुमार को विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय सिंचाई एवं बिजली बोर्ड पुरस्कार (सीबीआईपी अवार्ड) से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में आर.के.सिंह, केन्द्रीय विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री द्वारा श्री विजय कुमार को सीबीआईपी अवार्ड-2022 से पुरस्कृत किया गया। विजय कुमार के नेतृत्व में वर्ष 2019 में भीषण बाढ के दौरान जवाहर सागर विद्युत गृह को डूबने से बचाने के आपदा प्रबन्धन के लिए विद्युत उत्पादन निगम द्वारा गणतन्त्र दिवस समारोह-2020 में जवाहर सागर विद्युत गृह को पुरस्कृत किया जा चुका है।

स्वच्छता अवॉर्ड्स के लिए आवेदन मांगे

जयपुर । स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं के प्रभाव को उजागर करने के लिए केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर वुमन आइकॉन्स लीडिंग स्वच्छता अवॉर्ड्स 2023 की घोषणा की। अवॉर्ड्स 2023 का उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों, व्यक्तिगत रूप से सक्रिय महिलाओं द्वारा शहरी स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में की गई प्रेरक और अनुकरणीय पहलों का जश्न मनाते हुए उनका प्रसार करना है। अवॉर्ड्स के लिए आवेदनों की प्रक्रिया 8 मार्च से 5 अप्रैल 2023 तक खुली रहेगी। पुरस्कारों के लिए आवेदन स्वयं सहायता समूहों सूक्ष्म उद्यमों, गैर-सरकारी संगठनों, स्टार्टअप और व्यक्तिगत महिला नेताओं/स्वच्छता चैम्पियन के लिए खुले हैं। राज्य और शहर अपनी वेबसाइट, पोर्टल और सोशल मीडिया के माध्यम से क्विंस अवॉर्ड्स 2023 के बारे में विस्तृत जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। इसमें आवेदन करने के लिए सभी नागरिकों को आमंत्रित किया जाता है। सभी शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेंगे और स्वच्छतम पोर्टल के माध्यम से राज्य में अधिकतम 5 आवेदकों को नामांकित करेंगे। यूएलबी द्वारा चुने गए आवेदकों का शहर के विजेताओं के रूप में सार्वजनिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है।

प्राणशक्ति चिकित्सा विधि पर चर्चा

जयपुर। एस.एस.जैन. सुबोध पी जी महिला महाविद्यालय, रामबाग सर्किल में एनएसएस के विशेष शिविर में प्राचार्य डॉ रेनू जोशी ने छात्राओं को एनएसएस की उपयोगिता और महत्व के बारे में समझाया और समाज सेवा व अनुशासित जीवन को अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दूसरे दिन प्राणिक हीलिंग व मेडिटेशन विषय पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ के रूप में कविता सेठिया एवं अदिति गोटन ने प्राणिक हीलिंग जिसे प्राणशक्ति चिकित्सा भी कहते है के लाभ व विभिन्न रोगों के उपचार में इसकी भूमिका की विस्तार से चर्चा की तथा सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह के लिए विभिन्न मैडिटेशन अभ्यास भी करवाएं। इस अवसर पर उपप्राचार्या डॉ इंदु शर्मा एवं अन्य व्याख्याता भी उपस्थित रहे। सात दिवसीय शिविर में छात्राओं के द्वारा अन्य कार्यक्रम जैसे कच्ची बस्ती मैं अपनी सेवाएं देना, गोद लिए गए गांव में जाकर श्रमदान करना विभिन्न एनजीओ में जाकर उनके कार्यों में हाथ बंटाना जैसे काम होंगे।

सोने की जगह पीतल बेचने वाले पकड़े

जयपुर । सिंधी कैम्प पुलिस ने खुदाई में मिला पुराना सोना सस्ते दामों में बेचने का झांसा देकर पीतल के बिस्कुट बेचने वाले 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से धोखाधड़ी कर लिए गए साढ़े 3 लाख रुपए बरामद कर लिए। पुलिस ने बताया कि 4 मार्च को परिवादी अहमद नगर महाराष्ट्र निवासी दलवी सुनील खंडू ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि आरोपी राहुल शर्मा ने उसके मोबाइल पर फोन कर पुरानी जान पहचान बताकर खेत में सोना मिलने की बात बताई। उसने बहन की शादी में पैसों की आवश्यकता बताकर सोने बेचने का बहना बनाकर परिवादी से साढ़े तीन लाख रुपए ले लिए और उसे दो सोने के बिस्कुट दे दिए। इसके बाद आरोपी और उसके दो अन्य साथियों ने परिवादी को ऑटो से सिंधी कैम्प छोड़ दिया और चकमा देकर वहां से भाग गए। दलवी सुनील ने जब सोने के बिस्कुट चैक किए तो वह नकली निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नम्बरों के आधार पर जुरहेरा भरतपुर निवासी तालिम, मुबिन और मुबारिक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी इस प्रकार की वारदातों के मास्टर माइंड है जो अनजान मोबाइल नम्बरों पर कॉल करते हैं और ठगते हैं।

महिला जज को ब्लैकमेल करने वाले की पहचान हुई

- आरोपी ने महिला जज की फोटो एडिट कर उनसे 20 लाख रुपए मांगे थे

जयपुर । राजधानी जयपुर में कार्यरत महिला जज की एडिट फोटो कर धमकी देकर 20 लाख रुपए मांगने वाला आरोपी की पुलिस ने पहचान कर ली है। आरोपी सीकर के फतेहपुर का रहने वाला अमित है। प्रदेश की पुलिस अमित के आवास पर पहुंची, लेकिन वह घर पर नहीं गया।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि आरोपी अमित की तलाश में अलग-अलग पुलिस टीम सीकर व अन्य स्थानों पर भेजी है। आरोपी पहले से महिला जज के परिवार से परिचित है और इस तरह का कृत्य करने के पीछे उसका क्या उद्देश्य है। उसके पकड़े जाने के बाद ही खुलासा होगा। इस पूरे घटनाक्रम की साजिश अमित ने अकेले रची या फिर उसके साथ और कौन शामिल है। इसकी भी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि 7 फरवरी को कोर्ट में पहुंचकर महिला जज के नाम एक पार्सल दिया गया। पार्सल में महिला जज की एडिट की हुई फोटो और 20 लाख रुपए की मांग करते हुए धमकी लिखा पत्र था। महिला जज ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखकर पार्सल देकर जाने वाले की पहचान अमित के रूप में की थी। लेकिन तब मामला दर्ज नहीं करवाया। इसके बाद में 27 फरवरी को आरोपी फिर महिला जज के आवास पर पार्सल देकर चला गया। तब पीड़ित जज ने मामला दर्ज कराया।

विवाहिता ने जहर खाया, अस्पताल में मौत

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में विवाहिता ने सुसाइड नोट लिखकर जहर खा लिया। तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। करधनी पुलिस ने एस.एम.एस. हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के बेड के नीचे मिले सुसाइड नोट को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पति की रिपोर्ट पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मृतका बबीता (32) खोरा बिसल करधनी की रहने वाली थी। वह अपने पति नेमीचन्द (34) और बेटे रिशु (9) व गुनू (5) के साथ यहां रहती थी। गत 5 मार्च को दोपहर करीब 1 बजे बबीता ने घर पर जहर खा लिया। मां की तबीयत खराब होते देखकर बेटे ने पिता को कॉल कर बताया। घर पहुंचने पर नेमीचन्द को बबीता बेहोशी की हालत में मिली, जिसे तुरंत कावंटिया हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। बबीता का हालत गंभीर देखकर उसे एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।, जहां इलाज के दौरान 7 मार्च को बबीता की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के पति ने बताया कि इलाज के दौरान बबीता ने थोड़ी देर होश में आने पर बताया था कि रामदेव बुनकर और उनके बेटों व बाबूलाल को मत छोड़ना। उन्होंने मेरी जिंदगी खराब कर दी है। इतना कहकर बबीता फिर बेहोश हो गई थी। बबीता की मौत के बाद घर पर बेड के गद्दे के नीचे डायरी रखी मिली। डायरी में बबीता का लिखा सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में लिखा था, ''मैं बबीता सुसाइड कर रही हूं। क्योंकि मुझे रामदेव गांधी और उसके दोनों बेटे व जंवाई बाबूलाल बहुत परेशान कर चुके है। इन लोगों ने मेरी बेहोशी का फायदा उठा कर मेरी वीडियो बनाई। जिस दबाव में आकर मैंने इनसे एग्रीमेंट किया। जो कि इन्होंने पुलिस से धमकी दिलवा कर करवाया। रामदेव गांधी के पैसे के चक्कर ही नहीं था। ये तीनों बाप-बेटे खुद में दो चूड़ियां बिकवाए थे। कुछ मेरे पति के जोड़े हुए थे। ये सब पैसे वाले है, इसलिए सब इनकी ही सुन रहे है। परसो, मुझे मुरलीपुरा इनके बेटे मिले थे। उन्होंने बोला या तो मैं चुपचाप मकान उनको दे दूं। नहीं तो वो मुझे बदनाम और मेरे बच्चो को मारवा देंगे। इसलिए किसी ने मेरी सुनवाई नहीं की। पापा-मम्मी मुझे माफ कर देना। अब मैं सहन नहीं कर सकती और मेरे रिशु और गुनू से कभी दूर मत होना। ठेकेदार का भी ध्यान रखना, ये अकेला पड़ जाएगा। बस गांधी को मत छोड़ना, उनके कारण मुझे ये करना पड रहा है। सॉरी सबको, आपकी बेटी बबीता।''

हैरिटेज निगम में 2 साल बाद भी साधारण सभा की बैठक बुलाये जाने पर असमंजस?

कांग्रेस पार्षद हस्ताक्षर अभियान चलाकर बोर्ड मीटिंग का मुद्दा उठा रहे, महापौर ने चुप्पी साधी

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम में कांग्रेस बोर्ड बनने के 2 साल बाद भी साधारण सभा की बैठक बुलाने पर असमंजस है। जहां सिविल लाइंस के कांग्रेस पार्षदों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर बोर्ड मीटिंग बुलाने का मुद्दा उठाया है, वहीं मेयर इस मुद्दे पर खामोश है। हालांकि उन्होंने मुख्यमंत्री और जयपुर परकोटे के कांग्रेस विधायकों को पत्र लिखकर हैरिटेज निगम में संचालन समितियों के गठन की मांग रखी है।

सूत्रों की मानें तो नगर निगम में प्रत्येक 60 दिन में साधारण सभा की बैठक बुलाई जानी होती है, लेकिन हैरिटेज निगम में मुनेश गुर्जर ने महापौर की कुर्सी संभालने के तुरंत बाद सिर्फ एक बार बोर्ड मीटिंग बुलाई थी। बीते दो साल में कांग्रेस-बीजेपी और निर्दलीय पार्षद लगातार साधारण सभा की बैठक बुलवाने के लिए धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन महापौर चुप्पी साधे बैठी है। सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों सिविल लाइंस क्षेत्र के कुछ पार्षदों ने मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से मिलकर हैरिटेज नगर निगम में साधारण सभा नहीं बुलाये जाने की शिकायत की। जिस पर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने हैरिटेज निगम कमिश्नर विश्राम मीणा से पूछा कि उन्होंने बजट मीटिंग बुलाने के बजाय सीधे बजट प्रस्ताव सरकार को कैसे भिजवा दिया। मंत्री की नाराजगी के बाद कमिश्नर विश्राम मीणा ने पार्षदों से कहा कि आप बोर्ड मीटिंग बुलाने का प्रस्ताव दे दो, मैं मीटिंग बुलाने की तैयारी कर लूंगा। इसके बाद पार्षदों ने सिविल लाइंस क्षेत्र के 11-12 पार्षदों से तो इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करवा लिए हैं, अन्य पार्षदों को भी इस मुहिम से जोड़ा जा रहा है।

- पार्षदों की नाराजगी के बीच महापौर मुनेश गुर्जर ने मंत्री शांति धारीवाल और परकोटे के चारों विधायकों को पत्र लिखकर हैरिटेज नगर निगम में संचालन समितियों बनाने की मांग उठाई

सूत्रों की मानें तो पार्षदों में सबसे ज्यादा नाराजगी संचालन समितियों का गठन नहीं होने को लेकर है। महापौर मुनेश गुर्जर को भी यही भय है कि अगर बोर्ड मीटिंग होती है तो पार्षदों की नाराजगी इस मुद्दे को लेकर जरूर होगी। यूं तो पार्षद कई बार यह मुद्दा उठा चुके। जब-जब पार्षद धरने पर बैठे, तब मंत्री-विधायकों ने जल्द ही समितियां बनाने का आश्वासन देकर उन्हें उठा दिया। ऐसे में अब चुनाव नजदीक आ रहा है तो मंत्री-विधायक भी पार्षदों का नाराज नहीं करना चाह रहे। उधर कांग्रेस पार्षदों में नाराजगी यह है कि हैरिटेज निगम में कांग्रेस का बोर्ड और कांग्रेस की महापौर होने के बावजूद भी हमारी सुनवाई नहीं हो रही है तो फिर कब होगी।

पार्षदों की इसी नाराजगी का भांपते हुए मेयर मुनेश गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और विधायकों को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने संचालन समितियों का जल्द गठन करने की मांग की है, ताकि निगम के कामकाज का विकेन्द्रीकरण हो और जनता को इसका फायदा मिल सके। उन्होंने लिखा कि संचालन समितियों का गठन बोर्ड स्तर पर बोर्ड बनने के बाद 90 दिन के अंदर करना जरूरी होता है। इसके बाद समितियों का गठन सरकार के स्तर पर होता है।